प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 18-6-2017

प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महेसाना सेवाकेन्द्र द्वारा विश्व योग दिवस निमित्त आयोजित भव्य कार्यक्रम में हजारों भाई- बहनों ने सहज राजयोग के अभ्यास द्वारा विश्व शांति के लिए योगदान किया।

"शारीरिक योग से तन का स्वास्थ्य प्राप्त होता है किन्तु मन के स्वास्थ्य के लिए राजयोग का अभ्यास जरूरी है"

उपरोक्त उद्‌गार प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महेसाना सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित सहज राजयोग अनुभूति कार्यक्रम में मुख्य महेमान के रूप में पधारे वन संरक्षक माननीय भ्राता एल.जे. परमार (आई.एफ.एस.) ने व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा "जीवन में आने वाली परिस्थितियाँ, बिमारीयाँ आदि से निपटने के लिए राजयोग की नितान्त आवश्यकता है। " उन्हों ने हमारे जीवन में वृक्षों का महत्व भी समझाया।

दिनांक 18 जून को प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय की 80 वर्ष की ईश्वरीय सेवाओं के उपलक्ष में तृतिय विश्व योग दिवस अद्‌भूत एवं अकल्पनिय रूप से मनाया गया। कार्यक्रम स्थान पर पहुँचते ही सबका स्वागत किया गया एवं परमात्म प्रसाद बांटा गया। ब्रह्माकुमारीज़ के महेसाना सबज़ोन की संचालिका आदरणीया राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरला बहन जी ने सबका शब्दों से स्वागत किया। तत्पश्चात् ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू से पधारे, ग्राम विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष आदरणीय राजयोगी ब्रह्माकुमार राजू भाई जी ने, व्यक्ति अपने दैनिक कार्य करते हुए कैसे राजयोग का अभ्यास कर सकता है उसकी विस्तृत जानकारी दी।

महेसाना के नयन रम्य अवसर पार्टी प्लोट में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, ब्रह्माकुमारीज़ महादेवनगर सबज़ोन की संचालिका अहमदाबाद से पधारे आदरणीया राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी चंद्रिका बहन जी ने गीता वर्णित राजयोग की सहज अनुभूति कैसे की जाय उसकी समझानी दी। गीता में वर्णित स्थितप्रज्ञ साधक के लक्षण बताते हुए उन्हों ने कहा "योगी अपने आत्मभाव में स्थित होकर काम, क्रोध, लोभ, ईर्षा आदि विकारों से दूर रहता है। योगी अपने सर्व कार्य करते हुए भी शांत चित्त, प्रसन्न एवं आनंदित जीवन जी सकता है।" राजयोग की सहज अनुभूति का प्रारंभ करने से पहले उन्हों ने सबको तीन बार ओम्... ध्वनि का अभ्यास कराया। तत्पश्चात जैसे उन्हों ने कोमेन्ट्री देकर राजयोग का अभ्यास कराना प्रारंभ किया वैसे सब सच्ची शांति का अनुभव करने लगे। कुछ ही पलों में पार्टी प्लोट में आठ हजार जितने भाई-बहनें उपस्थित होने के बावजूद नीरव शान्ति की लहर फैल गई। दश मिनिट तक यह अद्‌भूत, अकल्पनीय दृश्य उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के मन में छाया रहा। मानो सारे विश्व में शान्ति के प्रकम्पन फैल रहे हों।

ब्रह्माकुमारीज़ गुजरात ज़ोन के डायरेक्टर आदरणीया राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरला दीदी जी ने विश्व योग दिवस को नवीन एवं विशिष्ट रूप से मनाने के लिए महेसाना वासियों को अभिनंदन दिया। सर्व को आशीर्वाद देते हुए उन्हों ने कहा कि राजयोग के नियमित अभ्यास से आप सर्व का जीवन सुख शांति से सम्पन्न एवं निरामय बनें यही मेरा सबको आशीर्वाद है।

शहर के महंत श्री नारायणदास जी महाराज, नारायण आश्रम, महेसाना; परम पूज्य आत्मलक्षी श्री नीतिसागर सुरीश्वर जी, सीमंधर जैन मंदिर, महेसाना; सरदार हरभजनसिंह, गुरूद्वारा, महेसाना; फादर के दास, सेंटज़ेवियर्स स्कुल, महेसाना; पठाण दोलतखान सबदलखान, प्रमुख, जीमीयत उलेमा हिन्द आदि विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधिओं ने उपस्थित रहकर अनेकता में एकता के अद्‌भूत दर्शन करवाये। इसके अतिरिक्त रई बहन विठ्ठल भाई पटेल, प्रमुख, महेसाणा नगर पालिका भी उपस्थित रहे।

स्टेज पर उपस्थित सभी महेमान, संस्था के ईश्वरीय सेवाओं के 80 वर्ष के उपलक्ष में शहर के नामांकित 80 आमंत्रित महेमान एवं महेसाणा सबज़ोन के 30 सेवाकेन्द्रों की संचालिका बहनों ने साथ में मिलकर दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्‌घाटन किया।

विश्व शांति की सेवा में अपना जीवन संस्था को समर्पित करने वाली 80 जितनी पवित्र ब्रह्माकुमारी बहनों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान 3 घण्टे तक मंच पर बैठ कर विश्व शांति का योगदान किया। ब्रह्माकुमारीज़ महेसाना के सीनीयर राजयोगी ब्रह्माकुमार नारायण भाई ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न वर्ग जैसे की डॉक्टर्स, वकील, व्यापारी, इन्डस्ट्रीयालिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता, आर्कीटेक्ट, एन्जिनीयर्स आदि एवं उत्तर गुजरात के भाई-बहनों ने उपस्थित रह कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के पूर्व शहर के नामांकित चौराहों पर बड़े-बड़े होर्डींग्स भी लगाये गये।